[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7556 **L**

Unique Paper Code : 2273102008

Name of the Paper : PRODUCTION RELATIONS AND GLOBALISATION

Name of the Course : **Discipline Specific Elective (DSE – Economics)**

Semester / Scheme : IV/VI/VIII / NEP-UGCF

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. Gramsci argued that Fordism sought to create a new type of worker and a new mode of living. Explain what he meant by this and discuss how the organisation of factory production under Fordism was designed to extend into workers' personal, social, and cultural lives beyond the factory walls.

2. (a) Why did Stephen Hymer think that in spite of their similarity with respect to large size and vast international operations, the Multinational Corporations (MNCs) has little to do with the mercantile organisations like the East India Company? Explain.

   (b) Do you think that coordination and control of global scale production systems, despite their complexity, can be achieved without direct ownership? Discuss in the light of the theory of global value chain governance advanced by Gary Gereffi and others.

3. "The current movement of capital is making the whole of society into a factory and capitalist labour is transforming from labour in factories to be more socialised labour." Discuss the above quote with an elaboration of the changing forms of work and employment. How do you evaluate gig work in this context?

4. (a) What are the different features of the shift from "managerial capitalism" to "investor capitalism"? Explain.

   (b) Discuss the trends that Kiser and Karceski identify in the evolution of tax systems in modern states.

5. Why does David Harvey consider the neo-liberal state inherently unstable? Briefly discuss the neo-conservative answer to this instability.

6. "*The incredible contradictions of wealth and power that now exists in the upper echelons of capitalism have not been seen since the 1920s*" (David Harvey). Do you think this phenomenon is a mere by-product of neoliberalism or is it the very core of what neoliberalism is all about? Discuss and substantiate from different experiences of neoliberal transitions.

7. Explain how "global spaces of production" have gendered dimensions. Do you agree with the view that globalization while expanding economic opportunities for women creates extremely ambiguous and uneven gains? Discuss.

8. How does a power-weighted social decision rule correct the impersonal notion of environmental degradation being a necessary by-product of economic activity? What does this rule predict on the extent of environmental degradation owing to issues of valuation of costs and benefits? Explain.

1. ग्राम्स्की का तर्क था कि फोर्डवाद का उद्देश्य एक नए प्रकार के श्रमिक और जीवन शैली का निर्माण करना था। उनके इस कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए और चर्चा कीजिए कि फोर्डवाद के अंतर्गत कारखाने के उत्पादन का संगठन किस प्रकार श्रमिकों के व्यक्तिगत, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को कारखाने की दीवारों से परे तक विस्तारित करने के लिए बनाया गया था।

2. (क) स्टीफन हाइमर का मानना क्यों था कि विशाल आकार और व्यापक अंतरराष्ट्रीय संचालन के मामले में समानता के बावजूद, बहुराष्ट्रीय निगमों (एमएनसी) का ईस्ट इंडिया कंपनी जैसे व्यापारिक संगठनों से कोई विशेष संबंध नहीं है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) क्या आपको लगता है कि वैश्विक स्तर की उत्पादन प्रणालियों का समन्वय और नियंत्रण, उनकी जटिलता के बावजूद, प्रत्यक्ष स्वामित्व के बिना प्राप्त किया जा सकता है? गैरी गेरेफी और अन्य द्वारा प्रतिपादित वैश्विक मूल्य श्रृंखला शासन के सिद्धांत के प्रकाश में चर्चा कीजिए।

3. "पूंजी का वर्तमान प्रवाह पूरे समाज को एक कारखाने में बदल रहा है और पूंजीवादी श्रम कारखानों में काम करने वाले श्रम से अधिक सामाजिक श्रम में परिवर्तित हो रहा है।" कार्य और रोजगार के बदलते स्वरूपों का विस्तार से वर्णन करते हुए उपरोक्त कथन की चर्चा कीजिए। इस संदर्भ में आप गिग वर्क का मूल्यांकन कैसे करते हैं?

4. (क) "प्रबंधकीय पूंजीवाद" से "निवेशक पूंजीवाद" की ओर परिवर्तन की विभिन्न विशेषताएं क्या हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ख) आधुनिक राज्यों में कर प्रणालियों के विकास में किजर और कार्सेस्की द्वारा पहचाने गए रुझानों पर चर्चा कीजिए।

5. डेविड हार्वे नवउदारवादी राज्य को स्वाभाविक रूप से अस्थिर क्यों मानते हैं? इस अस्थिरता के नव-रूढ़िवादी उत्तर पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

6. "पूंजीवाद के उच्च स्तरों में अब जो धन और शक्ति के अविश्वसनीय विरोधाभास मौजूद हैं, वे 1920 के दशक के बाद से नहीं देखे गए हैं" (डेविड हार्वे)। क्या आपको लगता है कि यह घटना नवउदारवाद का मात्र एक उप-उत्पाद है या यह नवउदारवाद का मूल तत्व है? नवउदारवादी परिवर्तनों के विभिन्न अनुभवों के आधार पर चर्चा कीजिए और प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

7. स्पष्ट कीजिए कि "उत्पादन के वैश्विक क्षेत्रों" में लैंगिक आयाम कैसे होते हैं। क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि वैश्वीकरण महिलाओं के लिए आर्थिक अवसरों का विस्तार करते हुए भी अत्यंत अस्पष्ट और असमान लाभ उत्पन्न करता है? चर्चा कीजिए।

8. शक्ति-आधारित सामाजिक निर्णय नियम किस प्रकार पर्यावरण क्षरण को आर्थिक गतिविधि का एक आवश्यक उप-उत्पाद मानने की अवैयक्तिक धारणा को सही करता है? लागत और लाभ के मूल्यांकन संबंधी मुद्दों के कारण पर्यावरण क्षरण की सीमा के बारे में यह नियम क्या भविष्यवाणी करता है? स्पष्ट कीजिए।